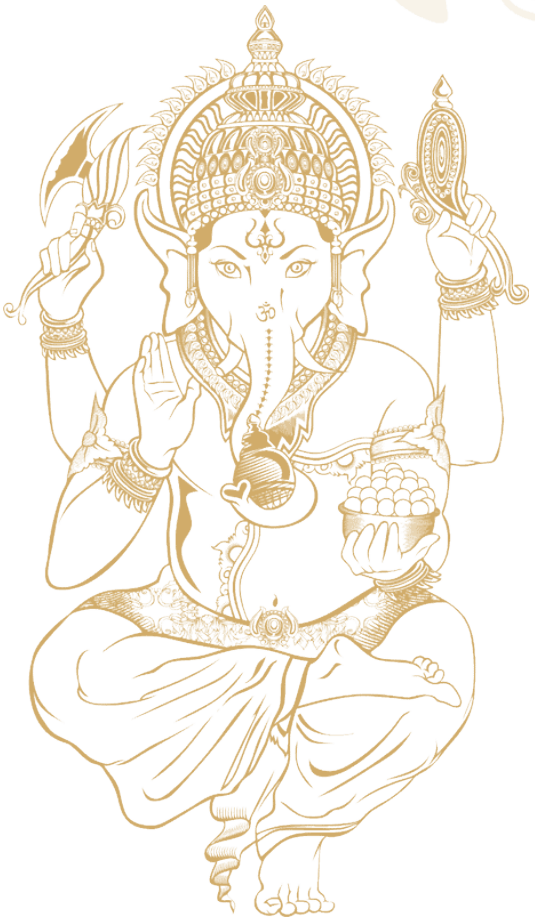

Kh

27 Dec 1999

04:24 AM

Rohtak

Model: web-freekundliweb

Order No: 121638803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26-27/12/1999**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:24:00 घंटे**
इष्ट	52:52:49 घटी
स्थान	**Rohtak**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:54:00 उत्तर
रेखांश	76:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:00:32 घंटे
वेलान्तर	-00:00:17 घंटे
साम्पातिक काल	10:20:31 घंटे
सूर्योदय	07:14:52 घंटे
सूर्यास्त	17:32:51 घंटे
दिनमान	10:18:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	10:51:51 धनु
लग्न के अंश	02:25:34 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:25:34	306:25:29	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			धनु	10:51:51	01:01:07	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	08:39:06	13:50:01	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मक	29:48:33	00:46:31	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	29:29:01	01:31:42	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	01:13:34	00:01:19	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	01:01:35	01:12:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
शनि	व		मेष	16:40:51	00:01:47	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	10:07:54	00:01:16	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	10:07:54	00:01:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:41:03	00:02:52	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	09:08:46	00:02:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:24:11	00:02:11	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			सिंह	09:20:13	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:11

लग्न-चलित

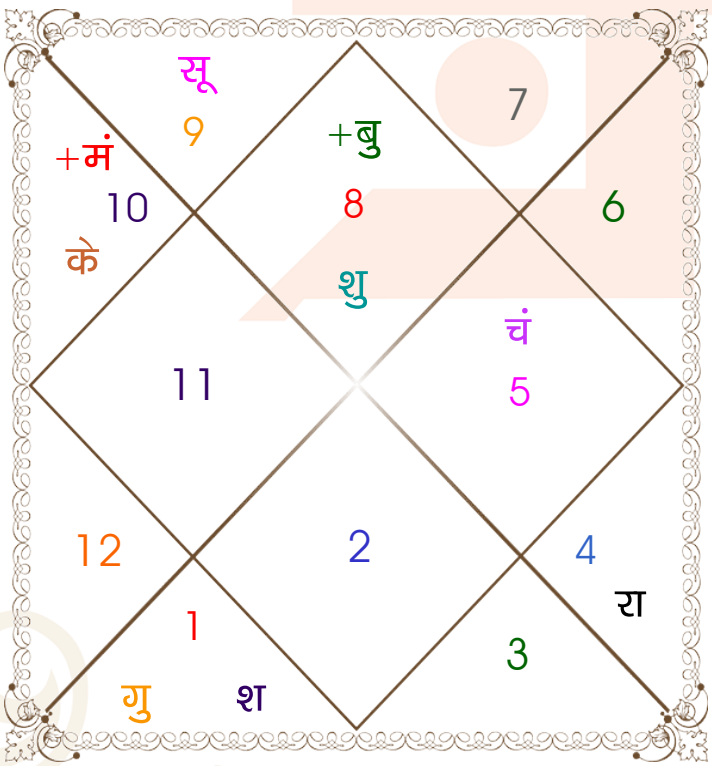

चन्द्र कुंडली

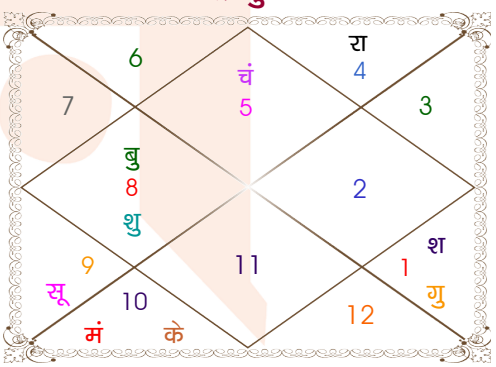

नवमांश कुंडली

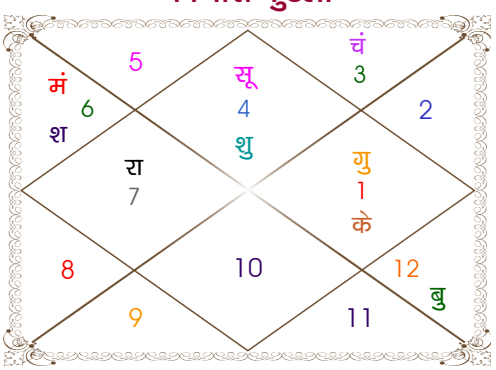

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 5 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/12/1999		11/06/2002		11/06/2022		11/06/2028		11/06/2038	
11/06/2002		11/06/2022		11/06/2028		11/06/2038		11/06/2045	
	00/00/0000	शुक्र	11/10/2005	सूर्य	29/09/2022	चंद्र	11/04/2029	मंगल	08/11/2038
	00/00/0000	सूर्य	11/10/2006	चंद्र	31/03/2023	मंगल	10/11/2029	राहु	26/11/2039
	00/00/0000	चंद्र	11/06/2008	मंगल	05/08/2023	राहु	12/05/2031	गुरु	01/11/2040
	00/00/0000	मंगल	11/08/2009	राहु	29/06/2024	गुरु	10/09/2032	शनि	11/12/2041
	00/00/0000	राहु	11/08/2012	गुरु	17/04/2025	शनि	12/04/2034	बुध	08/12/2042
	27/12/1999	गुरु	12/04/2015	शनि	30/03/2026	बुध	11/09/2035	केतु	06/05/2043
गुरु	05/05/2000	शनि	11/06/2018	बुध	04/02/2027	केतु	11/04/2036	शुक्र	05/07/2044
शनि	14/06/2001	बुध	11/04/2021	केतु	12/06/2027	शुक्र	11/12/2037	सूर्य	10/11/2044
बुध	11/06/2002	केतु	11/06/2022	शुक्र	11/06/2028	सूर्य	11/06/2038	चंद्र	11/06/2045

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/06/2045		12/06/2063		12/06/2079		11/06/2098		13/06/2115	
12/06/2063		12/06/2079		11/06/2098		13/06/2115		00/00/0000	
राहु	22/02/2048	गुरु	30/07/2065	शनि	14/06/2082	बुध	08/11/2100	केतु	09/11/2115
गुरु	18/07/2050	शनि	10/02/2068	बुध	22/02/2085	केतु	05/11/2101	शुक्र	08/01/2117
शनि	24/05/2053	बुध	18/05/2070	केतु	02/04/2086	शुक्र	05/09/2104	सूर्य	16/05/2117
बुध	11/12/2055	केतु	24/04/2071	शुक्र	02/06/2089	सूर्य	13/07/2105	चंद्र	15/12/2117
केतु	29/12/2056	शुक्र	23/12/2073	सूर्य	15/05/2090	चंद्र	12/12/2106	मंगल	13/05/2118
शुक्र	30/12/2059	सूर्य	11/10/2074	चंद्र	14/12/2091	मंगल	09/12/2107	राहु	31/05/2119
सूर्य	22/11/2060	चंद्र	10/02/2076	मंगल	22/01/2093	राहु	28/06/2110	गुरु	28/12/2119
चंद्र	24/05/2062	मंगल	16/01/2077	राहु	29/11/2095	गुरु	03/10/2112		00/00/0000
मंगल	12/06/2063	राहु	12/06/2079	गुरु	11/06/2098	शनि	13/06/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 5 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।